स्नातक कला
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न–पत्र
हिन्दी काव्य–प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

06 क्रेडिट 90 घण्टे/कक्षा

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	10 में से 07 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक (काव्य सौन्दर्य विषयक, शब्द सीमा : 30 शब्द)	7×3 = 21 अंक
2.	4 व्याख्याएं (इकाई–3 एवं 4 से 2–2 व्याख्याएं, आन्तरिक विकल्प देय)	4×5 = 20 अंक
3.	4 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक इकाई से एक, आन्तरिक विकल्प देय)	4×16 = 64 अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे, 1 क्रेडिट–25 अंक, 6 क्रेडिट x25=150 अंक	105 अंक
	आन्तरिक मूल्यांकन – 45 अंक	
	अधिकतम अंक – 150 अंक	
	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 60 अंक	

नोट : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 30 शब्द,
लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और
निबंधात्मक, आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होंगे)

उद्देश्य (Objective) :–

1. इसमें आदिकाल, मध्यकाल के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पक्ष से विद्यार्थियों को जोड़ना है।
2. उस दौर में रचे भाषा के इतिहास, जिसमें पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवधी, ब्रज में लिखे कवियों की रचनाओं में समाहित उनके दर्शन से परिचय कराना है। जिससे विद्यार्थियों में मानवीय दृष्टि विकसित हो सके।
3. विद्यार्थी भाषा के महत्व को जानकर उसमें और अधिक नवाचार लाने, सहज ग्राह्य बनाने का प्रयास कर सके।
4. मौलिक रूप से स्वयं के शब्दकोश को समृद्धशाली बना सके।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome) :–

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य प्रश्न–पत्र पढ़ने से विद्यार्थियों को उस दौर के काव्य एवं कवियों के विषय में ज्ञान प्राप्त होता है, जिससे विद्यार्थियों में सत्य, प्रेम, शान्ति, सद्भाव, परोपकार, नैतिकता, सादगी, सहिष्णुता जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है जिससे उनका चरित्र–निर्माण हो सकेगा।
2. इससे विद्यार्थियों में भाषा कौशल विकसित हो सकेगा।

इकाई –1– हिन्दी साहित्य का इतिहास –

प्रमुख इतिहास – ग्रंथ, हिन्दी साहित्य का आरंभ, काल विभाजन और नामकरण, आदिकाल की सामग्री : प्रकृति और प्रामाणिकता की समस्या, आदिकाल : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, भक्ति आन्दोलन : उदय के कारण ,अखिल भारतीय और अन्तः प्रादेशिक वैशिष्टय, महत्व, भक्ति सम्बन्धी प्रमुख दार्शनिक सम्प्रदाय, निर्गुण – सगुण भक्तिः स्वरूप, साम्य एवं अन्तर, हिन्दी भक्ति – कविता की विभिन्न धाराएँ, रीति–काव्यः दरबारी संस्कृति, रीतिकाल की अन्तर्वस्तु, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, मुख्य धाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त और परम्परा की निरन्तरता। **30 घण्टे/कक्षा**

इकाई–2 – निम्नलिखित रचनाकारों/रचनाओं का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन–

चन्दबरदाई का पृथ्वीराज रासो, नरपति नाल्ह का बीसलदेव रासो, अमीर खुसरो, गोरखनाथ, विद्यापति, दादूदयाल, रैदास, नानक, रज्जब और सर्वंगी, ढोला – मारू रा दूहा, मुल्ला दाउद का चंदायन, नरोत्तमदास का सुदामाचरित, नन्ददास का भंवरगीत, देव, सेनापति, पद्माकर, भूषण, रहीमदास। **15 घण्टे/कक्षा**

इकाई–3–

1. **कबीर दास :** कबीर ग्रन्थावली : सम्पादक श्यामसुन्दर दास : गुरूदेव कौ अंग (प्रथम 10 साखियां), सुमिरण कौ अंग (प्रथम 10 साखियां), विरह कौ अंग (प्रथम 10 साखियां) एवं कबीर ग्रन्थावली के प्रथम पांच पद।
2. **सूरदास :** सम्पादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, (कुल 20 : विनय तथा भक्ति– 2, 10, 21, 23, 25, गोकुल लीला–19, वृन्दावन लीला– 13, 42, राधाकृष्ण 2, 63, 106, मथुरा गमन 58, 68, 93 उद्धव संदेश – 2, 55, 95, 125, 187 और द्वारकाचरित – 50 वां पद)
3. **तुलसीदासः** 'तुलसी ग्रन्थावली' (मानसेत्तर एकादश ग्रंथ) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, विनयपत्रिका (105, 162, 172, 174, 198), कवितावली (अयोध्याकाण्ड– 11, 12, 13, 18, 19, 20 और 22 वां पद।)
4. **मीरा :** मीरां मुक्तावलीः सम्पादक नरोत्तम स्वामी प्रारम्भ के 25 पद। **25 घण्टे/कक्षा**

इकाई – 4

1. **बिहारी :** बिहारी सार्धशतीः सम्पादक डॉ. ओमप्रकाश प्रारम्भ के 25 दोहे।
2. **घनानन्द :** घनानन्द कवित (प्रथम शतक): सम्पादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्रः छन्द : 2, 3, 4, 5, 9, 12, 13, 14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 87 और 97वां पद।
3. **सूर्यमल्ल मीसणः** वीर सतसईः सं. कन्हैयालाल सहल 30 दोहेः 1, 5, 9 से 30 और 34 से 39 वें पद तक।
4. **उद्धवशतक**– बाबू जगन्नाथदास रत्नाकर प्रारम्भ के 30 पद। **20 घण्टे/कक्षा**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्राचीन कवि : विश्वम्भर मानव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2003।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर पैपर बैक्स, नई दिल्ली, 1973।

स्नातक – कला
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
हिन्दी साहित्य – द्वितीय प्रश्न–पत्र
हिन्दी कहानी एवं उपन्यास

06 क्रेडिट 90 घण्टे/कक्षा

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	10 में से 07 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक (काव्य सौन्दर्य विषयक, शब्द सीमा : 30 शब्द)	7×3 = 21 अंक
2.	4 व्याख्याएं (इकाई–3 एवं 4 से 2–2 व्याख्याएं, आन्तरिक विकल्प देय)	4×5 = 20 अंक
3.	4 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक इकाई से एक, आन्तरिक विकल्प देय)	4×16 = 64 अंक
	सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे, 1 केडिट–25 अंक, 6 केडिट x25=150 अंक	105 अंक
	आन्तरिक मूल्यांकन – 45 अंक	
	अधिकतम अंक – 150 अंक	
	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 60 अंक	

नोट : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 30 शब्द,
लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और
निबंधात्मक, आलोचनात्मक प्रश्न शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होंगे)

उद्देश्य (Objective) :–

1. उपन्यास, कहानी आदि गद्य साहित्य की अनिवार्यता साहित्य में इसलिए है क्योंकि विद्यार्थी में इसके अध्ययन से सामाजिक दृष्टिकोण स्थापित होता है।
2. विभिन्न लेखकों द्वारा रचित पात्रों के माध्यम से वह समय को आत्मसात करता हुआ उसके समग्र मनोविज्ञान का अध्ययन करता है।
3. विद्यार्थियों में लेखन कौशल विकसित करना।
4. भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार के व्यापक अवसर हैं।
5. प्रतियोगिता परीक्षाओं की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome) :–

1. हिन्दी गद्य की विविध विधाओं जैसे कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, आत्मकथा आदि के अध्ययन से विद्यार्थियों में परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति नवीन दृष्टिकोण स्थापित हो सकेगा।
2. विद्यार्थियों में लेखन कौशल विकसित हो सकेगा।
3. प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार की दृष्टि से भी यह अध्ययन महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक है।

इकाई–1– हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास, परिभाषा एवं तत्व, प्रेमचन्द के पूर्व, प्रेमचन्द और उनका युग, यथार्थवाद का हिन्दी में आविर्भाव, हिन्दी उपन्यास में नायक की बदलती अवधारणा, जैनेन्द्र कुमार और 'त्यागपत्र,' प्रसाद की यथार्थ चेतनाः 'कंकाल', अज्ञेय और 'शेखरः एक जीवनी,' हजारी प्रसाद द्विवेदी और 'बाणभट्ट की आत्मकथाः यशपाल और 'दिव्या', अमृतलाल नागर और 'नाच्यो बहुत गुपाल, आंचलिक उपन्यास और रेणु का मैला आंचल; चित्रा मुद्‌गल – एक जमींन अपनी; श्रीलाल शुक्ल – 'राग दरबारी', मनोहर श्याम जोशी – 'कुरू–कुरू स्वाहा; भीष्म साहनी – तमस; आखिरी दशक के उपन्यासः अलका सरावगी– शेष कादम्बरी। **25 घण्टे/कक्षा**

इकाई–2 हिन्दी कहानी : कहानी : उद्‌भव एवं विकास, परिभाषा और तत्व, आरम्भिक कहानियाँः गुलेरी, प्रेमचन्द के अनुवर्ती : सुदर्शन, विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक, अमृतलाल नागर, अज्ञेय, शिव प्रसाद सिंह, कृष्णा सोबती, धर्मवीर भारती, नयी कहानीः मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर, मन्नू भंडारी, उषा प्रियम्वदा, स्वयंप्रकाश, राजी सेठ। साठोत्तर आन्दोलन : अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी, समकालीन कहानी– परिदृश्य। **20 घण्टे/कक्षा**

इकाई–3– महाभोज–मन्नू भण्डारी (उपन्यास) सम्पूर्ण। **20 घण्टे/कक्षा**

इकाई–4 कहानियाँ–

1. प्रेमचन्द : पूस की रात, 2. जयशंकर प्रसादः मधुआ, 3. जैनेन्द्र कुमार : खेल, 4. यशपाल : करवा का व्रत, 5. मोहन राकेश : मलबे का मालिक 6. अमरकान्तः दोपहर का भोजन, 7. फणीश्वरनाथ रेणुः लाल पान की बेगम, 8. निर्मल वर्माः बीच बहस में 9. नासिरा शर्मा : सरहद के इस पार, 10. चित्रा मुद्‌गल : जिनावर।

25 घण्टे/कक्षा

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. कहानी : नई कहानी : डॉ. नामवर सिह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिन्दी कहानी का इतिहास : भाग 1, 2, 3 : डॉ. गोपाल राय।
4. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : डॉ. कमलकिशोर गोयनका।
5. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. भीष्म साहनी और रामजी मिश्र।
6. हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2005।